जनसंपर्क विभाग
अमेरिकी दूतावास

प्रेस समाचार

शांतिपथ, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली 110021 दूरभाष: 011-24198000 एक्सटेंशन: 8827 फैक्स: 011-24198817
ईमेल: mpl@pd.state.gov इंटरनेट वेबसाइट: http://usembassy.state.gov/delhi.html

13 अप्रैल, 2006

अमेरिकी शिष्टमंडल ने बस्ती के बच्चों की कंप्यूटर शिक्षा परियोजना का दौरा किया

नई दिल्ली -- अमेरिकी सीनेटर माइकल बी. एन्ज़ी (रिपब्लिकन, व्योमिंग) और अमेरिकी शिक्षा मंत्री मार्गरेट स्पेलिंग्स के नेतृत्व में अमेरिकी कांग्रेसनल शिष्टमंडल ने आज मलिन बस्तियों के बच्चों को कंप्यूटर एजूकेशन प्रदान करने वाली परियोजना का दौरा किया। इस शिष्टमंडल में अमेरिकी सीनेटर लामर अलेक्जेंडर (रिपब्लिकन, टेनेसी) तथा जॉनी इसाक्सन (रिपब्लिकन, जार्जिया) भी हैं।

विवेकनंद बस्ती, चाणक्यपुरी में "होल इन द वाल" कार्यक्रम एक कंप्यूटर कियोस्क (गुमटी) है, जो असुरक्षित बच्चों को अनौपचारिक शिक्षा हेतु प्रोत्साहन देता है। वयस्क लोगों के नाममात्र के सहयोग से बच्चों ने विंडो आपरेशन संबंधी सभी क्रियाओं को सीख लिया और कंप्यूटर पर चित्रकारी कर सकते हैं। वे फाइलों को लोड तथा सेव कर सकते हैं तथा शैक्षिक और अन्य प्रोग्राम को चला सकते हैं, इंटरनेट पर ब्राउस व सर्फ करने के साथ-साथ ई-मेल प्राप्त कर सकते हैं, संगीत फाइलों को डाउनलोड कर सकते हैं तथा कंप्यूटर की छोटी-मोटी गड़बड़ियों को दूर कर सकते हैं।

"होल इन द वाल" कार्यक्रम को अमेरिकन एम्बैनी स्कूल, अमेरिकन वूमेन्स एसोसिएशन (एडब्ल्यूए), गैर-सरकारी संगठन 'दिशा', तथा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (एनआईआईटी) ने मिलकर प्रायोजित किया है।

अमेरिकी शिष्टमंडल ने बच्चों को हुए फायदों स्वयं अवलोकन किया। एनआईआईटी के प्रतिनिधि ने शिष्टमंडल को "होल इन द वाल," कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी तथा 'दिशा' के प्रतिनिधि ने मलिन बस्तियों में शैक्षिक कार्यक्रमों तथा असुरक्षित बच्चों के लिए सीखना रोचक बनाने हेतु अपनाई गई नवीन पद्धति का व्यौरा दिया। शिष्टमंडल के सदस्यों ने स्व-सहायता समूहों की महिला सदस्यों के साथ बातचीत की तथा एक शैक्षिक कठपुतली शो भी देखा।

वयस्कों देखरेख के बिना अनौपचारिक शिक्षा पर शोध करने तथा प्रोत्साहन देने के विचार से होल-इन-द-वाल एजूकेशन लि. की स्थापना 2001 में कई गई थी। शहरी व ग्रामीण समुदायों के अल्पसुविधा प्राप्त वर्गों की सामाजिक-आर्थिक उन्नति हेतु 1992 से कार्यरत स्वैच्छिक गैर सरकारी संगठन 'दिशा' अमेरिकी अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएड) की साझेदारी से 3,500 असुरक्षित बच्चों को शैक्षिक सहयोग प्रदान करता है जिसमें, दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली में छह मलिन बस्तियों के पटरी पर रहने वाले, काम करने वाले तथा यौन-कर्मियों के बच्चे शामिल हैं।

***